अध्याय 2: नियोजन

2.1 व्यवसाय योजना

कम्पनी आगामी वर्ष के लिए संस्वीकृतियां, संवितरण, वसूली आदि के लक्ष्य को विनिर्दिष्ट करने वाली एक वार्षिक व्यवसाय योजना बनाती है जो कि निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित की जाती है। यह योजना पिछले वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों के प्रति कम्पनी के वास्तविक निष्पादन की व्याख्या और उसके विचलनों एवं कारणों का भी वर्णन करती है।

2.2 लक्ष्य एवं प्राप्तियां

पिछले चार वर्षों के दौरान कम्पनी द्वारा लक्ष्य एवं उनकी प्राप्तियां निम्नानुसार दी गई हैं:

तालिका-2: लक्ष्य एंव प्राप्तियाँ

राशि (₹ करोड़ में)

वर्ष/विवरण		संस्वीकृत राशि	संवितरित राशि	वसूली	
				मानक परिसंपत्तियां	अनर्जक परिसंपत्तियां
2012-13	**लक्ष्य**	5000.00	4000.00	4500.00	170.00
	वास्तविक	1911.53	1504.00	5482.00	126.00
	विचलन	**(-) 3088.47**	**(-) 2496.00**	**(+) 982.00**	**(-) 44.00**
2013-14	**लक्ष्य**	10000.00	8000.00	5227.00	741.00
	वास्तविक	10098.00	8683.00	5724.63	884.43
	विचलन	**(+) 98.00**	**(+) 683.00**	**(+) 497.63**	**(+) 143.43**
2014-15	**लक्ष्य**	13600.00	11220.00	4642.41	807.57
	वास्तविक	12230.00	8687.03	4863.78	827.59
	विचलन	**(-) 1370.00**	**(-) 2532.97**	**(+) 221.37**	**(+) 20.02**
2015-16	**लक्ष्य**	14000.00	11500.00	उ.न.	618.11
	वास्तविक	10894.69	7488.30	7802.33	421.40
	विचलन	**(-) 3105.31**	**(-) 4011.70**	**उ.न.**	**(-) 196.71**

कम्पनी ने एनपीएज़ के संबंध में वर्ष 2012-13 और 2015-16 के अलावा मानक परिसम्पत्तियों के साथ-साथ एनपीएज़ में लक्ष्यों से अधिक वसूलियाँ की। यद्यपि वर्ष 2013-14 को छोड़कर संस्वीकृतियों एंव संवितरणों के संबंध में यह लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकी।

2.3 उद्योग (एनबीएफसी-एनडी-एसआई) के निष्पादन की तुलना में आईएफसीआई का निष्पादन

बाजार शेयर डाटा की समीक्षा ने दर्शाया कि आईएफसीआई का बाजार अंश 2013 में 2.21 प्रतिशत से बढ़कर 2016 में 2.67 प्रतिशत हो गया जैसा कि चार्ट-1 में दर्शाया गया है:

चार्ट-1: आईएफसीआई का बाजार अंश (कुल परिसम्पत्तियों पर आधारित)

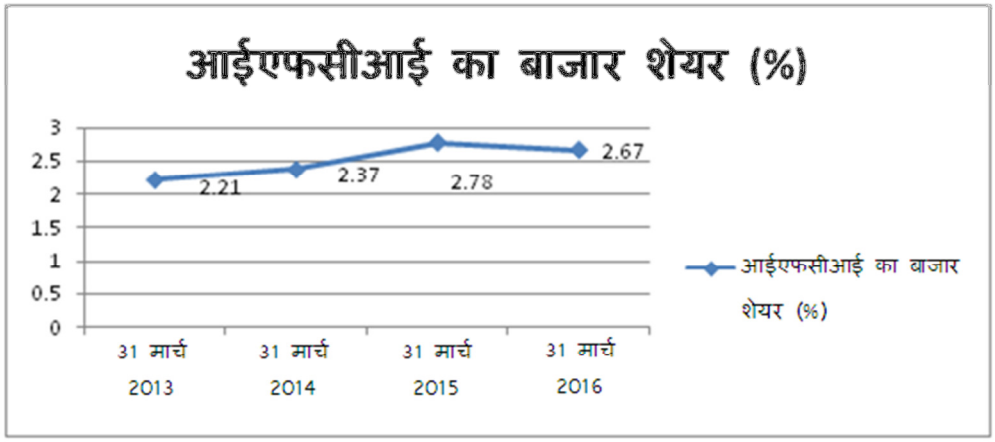

स्रोत: भारत में बैंकिंग प्रचलन एवं प्रगति पर आरबीआई रिपोर्ट एवं आईएफसीआई की वार्षिक रिपोर्ट (31 मार्च 2016 के लिए इंडस्ट्री डाटा अनंतिम था)

उद्योग (एनबीएफसी-एनडी-एसआई) की तुलना में आईएफसीआई के निष्पादन की समीक्षा ने दर्शाया कि उद्योग की लाभकारिता सीमांत रूप से घटी जबकि आईएफसीआई की लाभकारिता बहुत अधिक घट गयी जैसा कि चार्ट-2 में दिखाया गया है:

चार्ट-2: लाभकारिता की तुलना (निवल लाभ की कुल आय से प्रतिशत के रूप में)

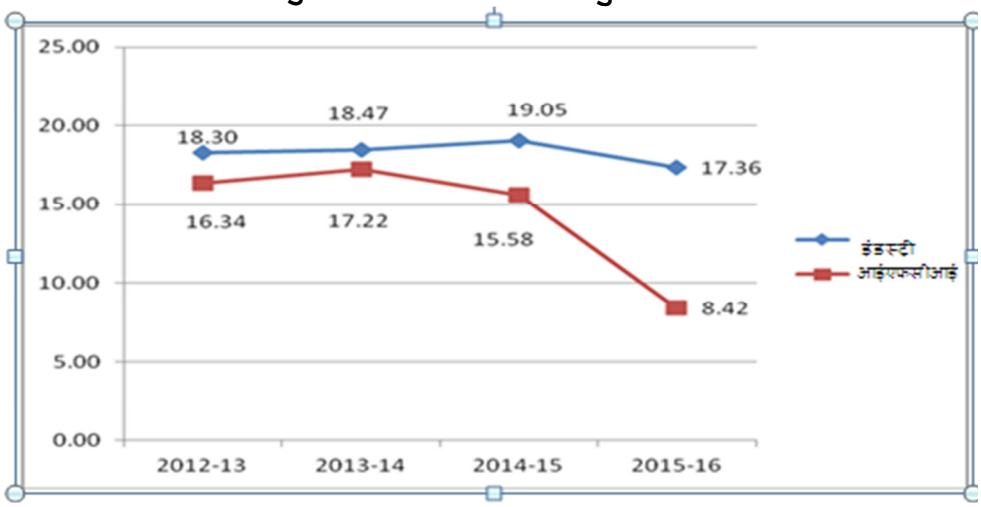

स्रोत: भारत में बैंकिंग प्रचलन एवं प्रगति पर आरबीआई रिपोर्ट एवं आईएफसीआई की वार्षिक रिपोर्ट (31 मार्च 2016 के लिए इंडस्ट्री डाटा अनंतिम था)

जैसा कि चार्ट-3 में दिखाया गया है इंडस्ट्री की तुलना में आईएफसीआई की परिसंपत्ति गुणवत्ता भी बिगड़ गयी:

चार्ट-3: परिसंपत्ति गुणवत्ता की तुलना (सकल एनपीए का कुल ऋण बकाया से अनुपात)

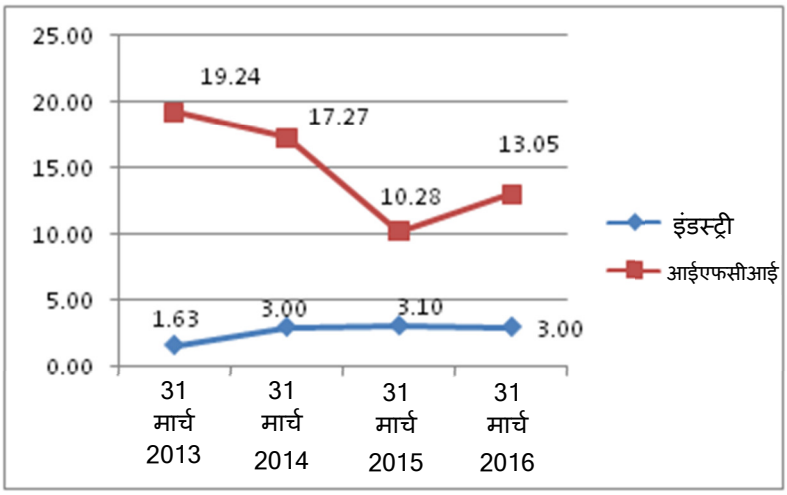

स्रोत: भारत में बैंकिंग प्रचलन एवं प्रगति पर आरबीआई रिपोर्ट एवं आईएफसीआई की वार्षिक रिपोर्ट

जैसा कि उपरोक्त से स्पष्ट है, यद्यपि कम्पनी ने अपने उधार-कार्यों में वृद्धि की और उसके फलस्वरूप बाजार शेयर में वृद्धि की परन्तु यह अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता के नियंत्रण में असफल रही क्योंकि इसका सकल एनपीए अनुपात इंडस्ट्री की तुलना में बढ़ गया था जिसकी वजह संवितरित ऋणों की खराब गुणवत्ता थी। इंडस्ट्री की लाभकारिता जो कि केवल सीमांत रूप से घटी थी, की तुलना में इसकी लाभकारिता में तेज़ गिरावट से भी यह स्पष्ट हो गया था।

मंत्रालय ने कहा (फरवरी 2017) कि एनबीएफसीज़ जैसे कि आईएफसीआई लिमिटेड की तुलना कॉर्पोरेट लेंडिग के उसी कारोबार में कार्यरत अन्य एनबीएफसीज़ से की जानी चाहिए। इसने आगे कहा कि समान तुलन पत्र आकार एवं अग्रिमों को देखते हुए एल एंड टी इंफ्रा, श्रेई इंफ्रा फाइनेंस लिमिटेड एवं इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड आईएफसीआई लिमिटेड से तुलनीय एनबीएफसीज़ थे और इन एनबीएफसीज़ का सकल एनपीए अनुपात 2015-16 के लिए 3.77 प्रतिशत था।